कृषकों को दिया गया प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

किसानो को प्रशिक्षण देते कृषि वैज्ञानिक।

फल, फूल और सब्जी की प्राकृतिक खेती के बारे में वैज्ञानिकों ने दी जानकारियां

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 23 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय क्लस्टर कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ ओमकार सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के मॉडल के विषय पर बताया कि वर्ष भर प्राकृतिक खेती मॉडल के माध्यम से आय होती रहती है। इसके आच्छादन से मृदा में लगातार जीवांश कार्बन की मात्रा बढ़ती रहती है। जो खेती के लिए बहुत उपयोगी है। सर्वेश कुमार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ने प्रशिक्षण के दौरान फसल उत्पादन प्रणाली पर विस्तार से बताते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती के सात सूत्रों न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली, रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग न करना, और रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि है। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. नौशाद आलम ने बताया कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से रसायन मुक्त फसल उत्पादन किया जा सकता है। जो गोमूत्र और गाय की गोबर से किया जाता है। वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डा. सुभाष चंद्र ने कृषकों को फल फूल सब्जी की प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र

कानपुर से प्रकाशित

E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

दीक्षालय प्रवाह

वर्ष : 02 अंक : 319 कानपुर, 24 मई, 2025 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत हुआ कृषकों का प्रशिक्षण

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय क्लस्टर कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ ओमकार सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के मॉडल के विषय पर बताया कि वर्ष भर प्राकृतिक खेती मॉडल के माध्यम से आय होती रहती है। इसके आच्छादन से मृदा में लगातार जीवांश कार्बन की मात्रा बढ़ती रहती है। जो खेती के लिए बहुत उपयोगी है सर्वेश कुमार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ने प्रशिक्षण के दौरान फसल उत्पादन प्रणाली पर विस्तार से बताते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती के सात सूत्रों न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली, रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग न करना, और रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि है। डॉक्टर नौशाद आलम वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से रसायन मुक्त फसल उत्पादन किया जा सकता है जो गोमूत्र और गाय की गोबर से किया जाता है। डॉक्टर सुभाष चंद्र वरिष्ठ वैज्ञानिक उद्यान ने कृषकों को फल फूल सब्जी की प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

पेज संख्या : 01
मूल्य : 02/-
Saturday
24th May 2025

सत्य का असर समाचार पत्र

मोबाइल नंबर 9956834016

सुविचार -
समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत हुआ कृषकों का प्रशिक्षण।

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालितbहजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय क्लस्टर कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ ओमकार सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के मॉडल के विषय पर बताया कि वर्ष भर प्राकृतिक खेती मॉडल के माध्यम से आय होती रहती है। इसके आच्छादन से मृदा में लगातार जीवांश कार्बन की मात्रा बढ़ती रहती है। जो खेती के लिए बहुत उपयोगी है सर्वेश कुमार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ने प्रशिक्षण के दौरान फसल उत्पादन प्रणाली पर विस्तार से बताते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती के सात सूत्रों न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली, रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग न करना, और रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि है। डॉक्टर नौशाद आलम वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से रसायन मुक्त फसल उत्पादन किया जा सकता है जो गोमूत्र और गाय की गोबर से किया जाता है। डॉक्टर सुभाष चंद्र वरिष्ठ वैज्ञानिक उद्यान ने कृषकों को फल फूल सब्जी की प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।